जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ......

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/PALM/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शनिवार, 11 जनवरी 2020

राउंड फिगर के नाम पर जयपुर शहर में शराब ठेकेदारों की सिंडिकेट ने ओवररेट का गौरख धंधा वापस चालू किया|

वित्त विभाग द्वारा चलाये गए डिकोय ओपरेशन से थम गयी थी शहर में ओवर रेट की वसूली

राज्य में शराब उपभोक्ताओं से हो रही ओवर रेट की वसूली की शिकायतों से आजीज होकर वित्त विभाग के वित्त सचिव श्री पृथ्वी की पहल पर पूरे राज्य में शराब की दुकानों पर डिकोय ओपरेशन किये गए थे|इन डिकोय ऑपरेशंस के अंतर्गत वित्त विभाग द्वारा गठित टीमों ने शराब की दुकानों पर ओवर रेट के मामले पकडे,जिस पर आबकारी विभाग द्वारा दोषी लायिसेंसियों के विरुद्ध केस बनाये गए और जिम्मेदार अधिकारीयों को नोटिस दिए गए|इन डिकोय ऑपरेशंस से बहुत हद तक शराब उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली पर रोक लगी थी|

राउंड फिगर के नाम पर पुनः चालू हुई ओवर रेट की वसूली

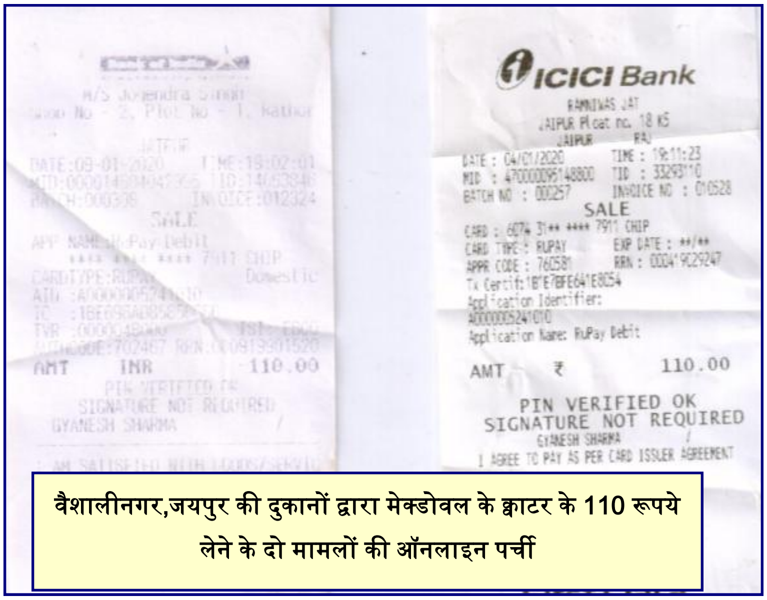

वैशालीनगर,जयपुर की दुकानों द्वारा मेक्डोवल के क्वाटर के 110 रूपये लेने के दो मामलों की ऑनलाइन पर्ची

वित्त विभाग के डिकोय ऑपरेशंस को ठेंगा बताते हुए शराब ठेकेदारों की सिंडिकेट ने राउंड फिगर के नाम पर नया शगूफा छेड़ा है|जिसके तहत अधिक खपत वाले ब्रांडों पर 8 से 20 रूपये प्रति बोतल वसूले जा रहे है|उदाहरण अभी सर्दियों में रम की खपत सबसे अधिक होती है|जिससे ओल्ड मोंक,ओल्ड फॉक्स,मेक्डोवल जिनकी रेट समान है उसके क्वाटर (180 ml) के 110 रूपये वसूले जा रहे है|इस बात की सत्यता परखने के लिए जयपुर के हर क्षेत्र की लगभग हर दुकान से उक्त ब्रांडों के क्वाटर की खरीद करवाई गयी तो अमूमन हर दुकानदार द्वारा 110 रुपयों की वसूली की गयी|

शराब ठेकेदारों का सिंडिकेट हुआ सक्रीय,जयपुर शहर की सभी दुकानों पर सिंडिकेट के रेट चार्ट से वसूली

वित्त विभाग के डिकोय ओपरेशन के बाद शराब के शराब ठेकेदारों की संगठित सिंडिकेट ढीली पड़ गयी थी,परन्तु चालू वित्त वर्ष की समाप्ति को देखते हुए यह सिंडिकेट पुनः सक्रीय हो गयी है|क्यूंकि सिंडिकेट को मालुम है कि यदि अब भी केस बनाये जायेंगे तो कागजी कार्यवाही होते होते बाकी के तीन महीने आराम से निकल जायेंगे|वैसे भी आबकारी महकमा अब नए बंदोबस्त में लग गया है|राउंड फिगर में शराब उपभोक्ताओं से वसूली के लिए सिंडिकेट ने वापस अपनी रेट लिस्ट निकाल कर सभी दुकानदारों तक पंहुचा दी है,जिसके तहत ही वसूली की जा रही है|

1/11/2020 Inspection Report

RAJASTHAN STATE EXCISE DEPARTMENT

Inspection Detail Report (MRP)

DEO Name :--All DEO-- **Circle Name :** --All Circle--

Period : 1-Oct-2019 TO 11-Jan-2020 **Report Time :**11/Jan/2020 11:40:02 AM

S.No.	DEO Name	No.Shop visited	No.of shops found overprising	No.of shops found open before & after Time(10:00 AM - 8:00 PM)	No. Of FIR Register	No. of Notice Issued	No. of CI Chargesheeted
1	Ajmer	316	24	1	25	0	0
2	Alwar	163	14	4	18	3	0
3	Banswara	13	0	0	0	0	0
4	Baran	15	14	1	15	0	0
5	Barmer	47	20	1	21	0	2
6	Bharatpur	2	2	0	2	0	0
7	Bhilwara	53	12	1	13	0	0
8	Bikaner	246	4	0	4	0	0
9	Bundi	241	7	0	7	0	0
10	Chittorgarh	1	1	0	1	0	0
11	Churu	38	0	0	0	0	0
12	Dausa	81	33	0	33	0	0
13	Dholpur	4	4	0	4	0	0
14	Dungarpur	8	2	0	2	0	0
15	Hanumangarh	21	3	0	3	0	0
16	Jaipur City	61	6	1	7	0	0
17	Jaipur Rural	262	19	0	19	0	0
18	Jaisalmer	144	33	0	33	12	5
19	Jalore	117	6	0	6	0	0
20	Jhalawar	18	9	0	9	0	0
21	Jhunjhunu	357	32	1	33	0	0
22	Jodhpur	395	18	1	19	0	0
23	Karauli	33	9	0	9	0	0
24	Kota	6	6	0	6	0	0
25	Nagaur	77	5	1	6	0	0
26	Pali	154	24	0	24	0	0
27	Pratapgarh	151	5	0	5	0	0
28	Rajsamand	25	4	0	4	0	0
29	Sawai Madhopur	114	9	0	9	0	0
30	Sikar	156	21	0	21	0	0
31	Sirohi	174	5	0	5	1	0
32	Sriganganagar	126	10	0	10	0	0
33	Tonk	285	27	0	27	0	0
34	Udaipur	270	10	0	10	0	0
	Total:	4174	398	12	410	16	7

आबकारी विभाग के डेली इंस्पेक्शन के दावे हुए फेल,जयपुर,शहर में अन्य जिलो की तुलना में कम इन्पेक्शन और कम कार्यवाही

सरकार ने विभाग की कार्यशैली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए विभाग के नियमित निरिक्षण अभियान को सार्वजनिक रूप से विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित करना शुरू किया है|जिसके अनुसार जिला आबकारी कार्यालय,जयपुर शहर द्वारा 1 अक्तूबर से आज तक महज 61 निरीक्षण करनेका दावा किया गया हैजिसमे 6 मामले ओवर रेट और महज एक मामला 8 बजे बाद शराब बेचने का पाया गया है जबकि राज्य में सर्वाधिक दुकाने,होटल,रेस्टोरेंट जयपुर शहर में ही है|

पुनः डिकोय ओपरेशन करवाने की आवश्यकता

बहुत जरुरी है कि शराब ठेकेदारों की सिंडिकेट को हाशिये पर लाते हुए,शराब उपभोक्ताओं को इस लूट से राहत दी जाए, नहीं तो यह दस्तूर नये वित्त वर्ष में भी शुरू हो जाएगा|देखना यह है कि गहलोत सरकार सिंडिकेट की कमर तोड़ने के लिए डिकोय ओपरेशन के आदेश देती है या नहीं|